भाद्रिनाथ जय जय भाद्रिनाथ भक्ति भजन में चित रमे तो समय की किस को ध्यान Bhajans Bhakti Songs

भाद्रिनाथ जय जय भाद्रिनाथ,
भक्ति भजन में चित रमे तो समय की किस को ध्यान,
दिन कट जाएँ पलों के सामान ।

भज मन नारायण नारायण नारायण, भाद्रिनारायण नारायण नारायण ।

जिस ने दिया यह जीवन, उस प्रभु का करले सुमिरन,
तेरी अधूरी आशा इसी द्वारे पे होगी पूरण ।
भाद्रिनाथ के चरणों में अर्पण कर दे मन और प्राण ॥

बन कर राम पधारे, कभी बन गए कृष्ण मुरारी,
जन हित नारायण ने सदा अलग अलग छबी धारी ।
जब जब भीड़ पड़ी भगतों पर, प्रगटे दया निधान ॥

तुलसी सूर कबीर और दर्श दीवानी मीरा,

भक्ति भजन में खो के वो तो पा गए मुक्ति का हीरा ।

Source: https://www.bharattemples.com/badrinatha-jaya-jaya-badrinatha/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw